हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I. No. UPHINè2022è83621

# जनता का सच

वर्ष 04 अंक 48 | लखनऊ शनिवार 06 दिसम्बर 2025 | पृष्ठ 04 मूल्य 2 रूपया

# लोन सस्ते होंगे

## भारतीय रिजर्व बैंक ने रेपो रेट घटाया, वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाया गया

एजेंसी

**नई दिल्ली।** भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की अपनी पांचवीं मौद्रिक नीति बैठक (एमपीसी) के नतीजों का एलान कर दिया है। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को न केवल रेपो रेट में कटौती कर कर्जदारों को राहत देने की खबर दी, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर एक बेहद शानदार तस्वीर भी पेश की है। केंद्रीय बैंक के मुखिया मल्होत्रा मौजूदा स्थिति को गोल्डीलॉक्स काल बताया है। अर्थशास्त्र की भाषा में यह वह स्थिति होती है जब इकोनॉमी में न तो बहुत ज्यादा तेजी होती है और न ही बहुत अधिक मंदी, बल्कि सब कुछ बिल्कुल सही संतुलन में होता है।

गवर्नर को उम्मीद है कि रेपो रेट में किए गए बदलाव का असर लंबी अवधि की ब्याज दरों पर भी पड़ेगा। आसान शब्दों में कहें तो, आरबीआई द्वारा सस्ता किए गए कर्ज का फायदा बैंक अब होम लोन या बिजनेस लोन की ब्याज दरें घटाकर ग्राहकों को दे सकते हैं।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि वित्त वर्ष की पहली छमाही में 8त्न की जीडीपी ग्रोथ और कम होती महंगाई दर एक आदर्श स्थिति है। इसे उन्होंने गोल्डीलॉक्स काल कहा है। इसका मतलब है कि भारत तेज विकास की पटरी पर है और महंगाई भी काबू में है, जो भविष्य के लिए बहुत अच्छा संकेत है।

अर्थव्यवस्था की मजबूती को देखते हुए आरबीआई ने पूरे वित्त वर्ष 2026 के लिए जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ा दिया है। आरबीआई ने पूर्व में 6.8त्न की वृद्धि दर का अनुमान जताया था। अब इसे बढ़ाकर 7.3प्रतिशत कर दिया गया है। केंद्रीय बैंक का मानना है कि विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में जारी तेजी से विकास दर अनुमान से बेहतर रहेगी।

### पॉलिसी का रुख: न्यूट्रल

तीन दिन तक चली बैठक में एमपीसी ने सर्वसम्मति से अपना रुख न्यूट्रल या तटस्थ रखने का फैसला किया है। इसका मतलब यह है कि आरबीआई अब सिर्फ महंगाई को रोकने पर ही फोकस नहीं कर रहा, बल्कि वह ग्रोथ को भी सपोर्ट करने के लिए तैयार है। यह भविष्य में ब्याज दरों में और कमी या स्थिरता का संकेत देता है।

### महंगाई के मोर्चे पर बड़ी जीत

आम आदमी के लिए सबसे अच्छी खबर महंगाई के मोर्चे पर है। गवर्नर ने कहा कि अक्तूबर के बाद से महंगाई में तेजी से गिरावट आई है। नए अनुमानों में आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए महंगाई का अनुमान 2.6त्न से घटाकर अब सीधा 2त्न कर दिया है। इसका मतलब है कि आने वाले दिनों में आपकी जेब पर बोझ और कम हो सकता है। गवर्नर ने बताया कि देश की मैन्युफैक्चरिंग (विनिर्माण) गतिविधियों में सुधार लगातार जारी है। वहीं, सर्विस सेक्टर भी स्थिर गति से बढ़ रहा है। ये दोनों सेक्टर रोजगार और अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, और इनका अच्छा प्रदर्शन करना सुखद संकेत है। अगर आपको लगता है कि त्योहारों के बाद मांग घटेगी, तो आरबीआई ऐसा नहीं मानता। गवर्नर के मुताबिक, हाई फ्रीक्वेंसी इंडिकेटर्स (जैसे बिजली की मांग, गाड़ियों की बिक्री आदि) यह इशारा कर रहे हैं।

### ग्राहकों को कितने रुपये की हो सकती है बचत

यदि किसी ने 50 लाख रुपये का लोन 8.5 प्रतिशत की ब्याज दर से 20 साल के लिए लिया है और आरबीआई यदि 0.25 प्रतिशत की कटौती की घोषणा करती है तो उसकी ईएमआई कम हो जाएगी, जैसे कि पुराने ब्याज दर 8.5 प्रतिशत पर 43,391 रुपये की ईएमआई देनी पड़ती है, और ब्याज दरों पर कटौती के बाद नई ब्याज 8.25 प्रतिशत पर 42,603 रुपये हो जाएगी, जिसमें महीने में 788 रुपये की बचत और साल भर में 9,456 रुपये की बचत होगी। यदि आप ने 5 लाख रुपये का कार लोन 12 प्रतिशत की ब्याज दर पर लिया है तो 11,282 रुपये पुरानी ईएमआई पर देने पड़ रहे हैं, यदि कटौती हुई तो कार लोन की नई ईएमआई 11,149 रुपये होगी। जिसमें 133 रुपये महीने के और साल भर में 1,596 रुपये की बचत होगी।

### फॉरेक्स रिजर्व की मजबूती बरकरार

भारत की बाहरी सुरक्षा भी बेहद मजबूत है। आरबीआई गवर्नर ने बताया कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार (फॉरेक्स रिजर्व) 686 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया है। यह इतना पैसा है कि हम आराम से अगले 11 महीने का आयात बिल चुका सकते हैं। यह रुपये को स्थिरता देने के लिए काफी है।

## भारतीय सेना ने रचा इतिहास

**नई दिल्ली/ एजेंसी।** भारतीय सेना ने पर्वतारोहण के इतिहास में एक नई उपलब्धि हासिल की है। ईस्टर्न कमांड की एक पर्वतारोही टीम ने अरुणाचल प्रदेश की सर्वोच्च और अब तक अजेय रही कांगतो चोटी (7,042 मीटर / 23,103 फीट) पर पहली बार सफलतापूर्वक तिरंगा फहराया है। टीम ने यह कठिन अभियान दक्षिणी मार्ग से पूरा किया, जिसे बेहद चुनौतीपूर्ण माना जाता है। कांगतो पर्वत को अब तक कामेंग हिमालय का 'अनक्लाइंब्ड गार्जियन' कहा जाता था। पूर्वी कमान के सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल आरसी तिवारी ने पर्वतारोहण दल को औपचारिक रूप से 'फ्लैग-इन' किया और टीम के साहस, पेशेवराना क्षमता और धैर्य की सराहना की। भारतीय रक्षा मंत्रालय के अधिकारी ने बताया कि तीन नवंबर को गजराज कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग द्वारा एक अग्रिम बेस से 'फ्लैग-ऑफ' की गई 18 सदस्यीय टीम ने दुर्गम हिमालयी इलाके को पार करते हुए यह इतिहास रचा।

## आठ वर्ष का कार्यकाल पूरा करने वाले कर्मियों के लिए बनेगी स्थायी नीति

हिमाचल विधानसभा

एजेंसी

**तपोवन (धर्मशाला)।** पैरा पॉलिसी और जल रक्षकों की लंबित मांगों का जल्द स्थायी समाधान होने जा रहा है। सरकार इन श्रेणियों में लगे कर्मचारियों को उचित वेतन और सरकारी कर्मचारी का दर्जा देने की दिशा में आगे बढ़ रही है। यह जानकारी उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने शुक्रवार को सदन में नियम-62 के तहत विधायक आरएस बाली के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर दी।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार संवेदनशील है और चाहती है कि पैरा पॉलिसी कर्मियों तथा जल रक्षकों को स्थायी व्यवस्था के तहत मुख्यधारा में लाया जाए। उन्होंने कहा कि इन कर्मचारियों के लिए अलग से इंश्योरेंस लागू करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि सरकार का उद्देश्य इन्हें पॉलिसी के तहत नियमित ढांचे में सम्मिलित करना है। जल शक्ति विभाग में अब तक 6220 जल रक्षक भर्ती किए जा चुके हैं। इनमें से 3486 जल रक्षकों को, जिन्होंने 12 साल की सेवा पूरी कर ली थी, उन्हें पंप अटेंडेंट बना दिया गया है। हालांकि अभी भी बड़ी संख्या में ऐसे जलरक्षक हैं, जिनकी 12 वर्ष सेवा पूरी नहीं हुई है और विभाग में पर्याप्त पद उपलब्ध नहीं हैं। पैरा पॉलिसी से जुड़े मुद्दों पर उन्होंने बताया कि पैरा पंप ऑपरेटर, पैरा फिटर और पैरा मल्टीपर्पज वर्कर का मानदेय कांग्रेस सरकार ने बढ़ाया है।

## उत्तराखंड लोक सेवा आयोग ने पीसीएस मुख्य परीक्षा की स्थगित

**देहरादून/ एजेंसी।** उत्तराखंड लोक सेवा आयोग ने पीसीएस 2025 मुख्य परीक्षा को फिलहाल स्थगित कर दिया है। आयोग ने यह निर्णय उच्च न्यायालय, नैनीताल द्वारा चार दिसंबर को पारित आदेश के बाद लिया है। आयोग द्वारा 7 मई 2025 को जारी विज्ञापन और फिर 6 दिसंबर से 9 दिसंबर 2025 तक प्रस्तावित मुख्य परीक्षा को अगले आदेश तक रोक दिया गया है। आयोग ने कहा है कि नई परीक्षा तिथियों की जानकारी आयोग की वेबसाइट पर अलग से जारी की जाएगी। आदेश सचिव अशोक कुमार पाण्डेय की ओर से जारी किया गया है। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति रविंद्र मैठाणी एवं न्यायमूर्ति आलोक महरा की खंडपीठ के समक्ष हुई। न्यायालय ने उत्तराखंड लोक सेवा आयोग को निर्देश दिए हैं कि वह सामान्य अध्ययन विषय के एक गलत प्रश्न को हटाकर प्रारंभिक परीक्षा का संशोधित परिणाम जारी करे।

# महाराष्ट्र से जुड़ गया पीलीभीत

एजेंसी

**लखनऊ।** यूपी के पीलीभीत को लेकर केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने जो प्रयास किया, वह सफल हो गया है। अब पीलीभीत सीधे महाराष्ट्र से जुड़ गया है। केंद्रीय मंत्री के प्रयास से जिले को एक और ट्रेन मिल गई है, जिसका संचालन नांदेड़ महाराष्ट्र से टनकपुर के बीच सप्ताह में किया जाएगा। केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया पर टैग करते हुए सार्वजनिक की है। पीलीभीत होकर टनकपुर से नांदेड़ महाराष्ट्र को जाने वाली साप्ताहिक ट्रेन मिलने से पीलीभीत की कनेक्टिविटी बेहतर हो जाएगी। ट्रेन संख्या 17610/17609 को पुरना से बसमत, हिंगोली, वासिम, अंकोला, मलकपुर, खंडवा, इटारसी, रानी कमलापति, बीना, ललितपुर, झांसी, ग्वालियर, धौलपुर, आगरा कैंट, मथुरा, कासगंज, बदायूं बरेली, इज्जतनगर, पीलीभीत टनकपुर के लिए हरी झंडी मिली है। इससे पीलीभीत के लोग आगरा-मथुरा के बाद मध्य प्रदेश और सीधे महाराष्ट्र के नांदेड़ से जुड़ने जा रहे हैं।

### मथुरा और आगरा की कनेक्टिविटी सुधरी

ट्रेन के शुरू होने से मथुरा के लिए दूसरी ट्रेन लोगों को मिल रही है साथ ही आगरा के ताजमहल को देखने की लालसा भी लोग इस ट्रेन के संचालित होने से पूरी कर सकेंगे। ट्रेन के समय और संचालन को लेकर रेलवे अधिकारियों की तरफ से जानकारियां दी जाएंगी।

### तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब तक सुगम हुआ मार्ग

नांदेड़ से टनकपुर के लिए साप्ताहिक ट्रेन की स्वीकृति मिलने पर केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने पीलीभीत के लोगों को हार्दिक बधाई दी है। सोशल प्लेटफार्म पर लिखा कि ट्रेन की स्वीकृति से जनपद पीलीभीत एवं बरेली के आम नागरिकों की व्यवसायिक गतिविधियां सशक्त होने के साथ ही सिख समुदाय के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब तक आवागमन सुगम हो जाएगा। केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने बताया कि पिछले दिनों वाराणसी, बंगाल, असम, बिहार और कामाख्या आदि स्थानों के लिए भी ट्रेन संचालन कराने का आग्रह करते हुए रेल मंत्री का पत्र भेजा था। नांदेड़ के लिए सुविधा मिलने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया है।

### सीएम योगी ने खुद संभाला मोर्चा, विधायकों को एसआईआर के काम पर लगाया

# भाजपा के सभी कार्यक्रम निरस्त

संवाददाता

**लखनऊ।** भारतीय जनता पार्टी ने अपने सभी कार्यक्रम निरस्त कर दिए हैं। एक सप्ताह तक अब सरकार और पार्टी संगठन का पूरा फोकस केवल एसआईआर पर रहेगा। दरअसल, पार्टी राजधानी लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ, गाजियाबाद सहित प्रदेश के सभी महानगरों के एसआईआर में पिछड़ने से चिंतित है। मुख्यमंत्री आवास में हुई हुई संघ और भाजपा की समन्वय बैठक में भी इसे लेकर चिंता जताई गई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद मोर्चा संभालते हुए सभी विधायकों की वर्चुअल बैठक की और दो टूक कहा कि सभी काम छोड़कर केवल एसआईआर में जुटें।

एसआईआर को लेकर भाजपा अभियान चला रही है। लगातार मॉनीटरिंग भी हो रही है। बावजूद इसके प्रदेश के महानगरों में मनचाहे परिणाम नहीं आ पा रहे। कई विधायकों ने भी इस मुहिम में बहुत रुचि नहीं दिखाई है। पार्टी ने जब जिलेवार समीक्षा की है तो पाया कि जिलों का हाल तो अच्छा है मगर महानगरों की स्थिति ठीक नहीं है। वहां अभी 55 से 70 फीसदी के बीच ही गणना प्रपत्रों का काम हो पाया है। यह स्थिति तब है जब चुनाव आयोग ने एसआईआर के लिए एक सप्ताह की समयसीमा बढ़ाकर उसे 11 दिसंबर कर दिया है। चुनाव आयोग के आंकड़ों में प्रदेश में एसआईआर को लेकर जो बढ़त दिख रही है, वो जिलों के कारण है।

### संघ-भाजपा की समन्वय बैठक में जताई थी चिंता

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री बीएल संतोष और संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार की मौजूदगी में सोमवार को हुई मुख्यमंत्री सहित सरकार और संगठन के शीर्ष नेताओं की बैठक में एसआईआर का मुद्दा उठा। महानगरों की स्थिति पर चिंता जताते हुए संबंधित विधायकों को काम में जुटने के निर्देश देने को कहा गया। उसके बाद मंगलवार को प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने प्रदेश मुख्यालय में प्रदेश के शीर्ष नेताओं की बैठक की। इसमें 30 नेताओं की जिला और कमिश्नरी स्तर पर एसआईआर को लेकर ड्यूटी लगाने का फैसला किया गया। इन नेताओं को निर्देशित किया गया है कि फोटो खिंचाने के चक्कर में न रहें। ना नेतागिरी करें। केवल प्रभार वाले जिले में पूरी शिद्दत से मॉनीटरिंग करें।

## अब्दुल्ला खां को दो पासपोर्ट मामले में सात साल की सजा

फैसला

संवाददाता

**रामपुर।** समाजवादी पार्टी के महासचिव आजम खां और उनके परिवार की मुश्किलें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। शुक्रवार को आजम खां के बेटे और पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम को दो अलग-अलग पासपोर्ट रखने के मामले में बड़ा झटका लगा है। रामपुर की विशेष एमपी-एमएलए अदालत ने अब्दुल्ला आजम को इस मामले में दोषी ठहराते हुए सात साल कैद की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने उन पर 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। अब्दुल्ला इस समय दो पैन के मामले में सजा के बाद रामपुर की ही जेल में पिता आजम खां के साथ सजा काट रहे हैं। कोर्ट में सुनवाई के दौरान अब्दुल्ला आजम जनपद कारागार से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए।

अब्दुल्ला आजम पर यह आरोप था कि उन्होंने दो अलग-अलग पासपोर्ट बनवाए थे। इसमें उनकी जन्मतिथि अलग-अलग दर्ज थी। यह मामला उनके फर्जी जन्म प्रमाण पत्र से जुड़े विवादों की कड़ी में ही एक हिस्सा था। एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट शोभित बंसल की अदालत ने दोनों पक्षों दलीलों और साक्ष्यों के आधार पर अब्दुल्ला आजम को सात साल कैद की सजा और 50 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

## हनुमानगढ़ी के संत को जिंदा जलाने की कोशिश

सजिश

संवाददाता

**अयोध्या।** श्रीराम की नगरी अयोध्या के प्रसिद्ध हनुमानगढ़ी मंदिर परिसर में ही स्थित भवन में रहने वाले संत महेश योगी को जिंदा जलाने की कोशिश की गई है। संत के अनुसार शुक्रवार की भोर में सोते समय उनके कमरे में पीछे की ओर लगी खिड़की की लोहे की जाली काटकर ज्वलनशील पदार्थ के साथ आग अंदर फेंकी गई। संयोग से आग कमरे में फैलते ही संत की आंख खुल गई और वह बाहर भाग कर अपनी जान बचाने में सफल हो गए। पुलिस और फोरेंसिक विभाग की टीम जांच में जुटी है। सीसीटीवी से सुराग की कोशिश हो रही है।

थाना राम जन्मभूमि क्षेत्र में स्थित हनुमानगढ़ी परिसर में रहने वाले स्वामी महेश योगी ने बताया कि वह अपने भवन गोविंदगढ़ में रोज की तरह गुरुवार की रात सो रहे थे।

शुक्रवार की भोर में लगभग साढ़े तीन बजे आश्रम के पिछले हिस्से में खिड़की में लगी लोहे की जाली काटकर कमरे को जलाने के उद्देश्य से अंदर आग का गोला फेंका गया। इससे कमरे में आग की लपटें और धुंआ निकलने लगा और उनकी आंख खुल गई।

संत का आरोप है कि यह आग उन्हें मारने की साजिश के तहत लगाई गई थी। आग ज्वलनशील पदार्थ के माध्यम से लगाई गई है, क्योंकि बदबू पूरे कमरे फैल गई थी। समय रहते आग बुझा ली गई। इससे अधिक नुकसान नहीं हुआ है। संत की शिकायत पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम जांच में जुट गई है। सीसीटीवी से संदिग्ध व्यक्ति की पहचान की जा रही है। संत महेश योगी ने एक दूसरे संत का नाम लेते हुए कहा कि वह मेरे खिलाफ साजिश रच रहे हैं। उनकी सह पर हनुमानगढ़ी से निष्कासित कुछ संत आए दिन षड्यंत्र करते रहते हैं।

## भाजपा प्रदेश अध्यक्ष समेत 112 के खिलाफ मामला दर्ज

**नई दिल्ली/ एजेंसी।** पुलिस ने शुक्रवार को तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन और पार्टी के वरिष्ठ नेता एच राजा समेत 113 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इन सभी ने चार दिसंबर को तिरुपनरनकुंद्र पहाड़ी की चोटी पर दीप जलाने के लिए आयोजित एक प्रदर्शन में भाग लिया था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह दीप स्तंभ तिरुपरमकुंद्रम की छोटी पहाड़ी पर एक दरगाह के पास स्थित है। इन सभी के खिलाफ सार्वजनिक शांति भंग करने और अन्य आरोपों के तहत मामला दर्ज किया गया है। सूत्रों ने बताया कि नागेंद्रन और राजा उन लोगों में शामिल थे, जिन्हें पुलिस ने कल रात कुछ घंटों के लिए हिरासत में लिया था। उन्हें गुरुवार रात करीब 11.20 बजे रिहा किया गया।

### [उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बजट को दी मंजूरी]

## 20 अस्पताल और होंगे हाईटेक

संवाददाता

**लखनऊ।** राजधानी लखनऊ के सिविल और बलरामपुर सहित प्रदेश के 20 अस्पतालों को सरकार ने बजट की संजीवनी प्रदान की है। इन अस्पतालों के लिए करीब 13 करोड़ 46 लाख रुपये के बजट को मंजूरी दी गई है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि आधुनिक उपकरणों से अस्पताल और हाईटेक होंगे। उन्होंने बताया कि जांच की व्यवस्था को बेहतर करने के लिए डिजिटल एक्सरे, ईसीजी, अल्ट्रासाउंड मशीनें खरीदी जाएंगी। छोटे चीरे से मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए फेको मशीन स्थापित की जाएगी। इससे मरीजों को कम समय अस्पताल में गुजारना होगा। ऑपरेशन की सफलता दर में भी वृद्धि होगी। इसके लिए सात करोड़ पैंतालीस लाख तेरह हजार छह सौ पैसठ रुपये की मंजूरी प्रदान की गई है।

प्रयागराज के मोती लाल नेहरू मंडलीय चिकित्सालय को 5448301 रुपये, बरेली के जिला महिला चिकित्सालय को 868274 रुपये, मुरादाबाद के पंडित दीन दयाल उपाध्याय जिला चिकित्सालय को 8098414 रुपये, लखनऊ के बलरामपुर चिकित्सालय को 10979887 रुपये का बजट मिला है। लखीमपुर ओयल का ट्रॉमा सेंटर 882999 रुपये से अपग्रेड होगा। उन्नाव बीघापुर 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय के लिए 2334201 रुपये के बजट को मंजूरी मिली है, फर्रुखाबाद के डॉ. राम मनोहर लोहिया महिला चिकित्सालय को 2044884 रुपये से अपग्रेड किया जाएगा।

महोबा के जिला चिकित्सालय को 2998739 रुपये, झांसी जिला चिकित्सालय को 14242312 रुपये, गाजियाबाद के जिला संयुक्त चिकित्सालय को 2683961 रुपये, गाजियाबाद के एमएमजी जिला चिकित्सालय को 1883961 रुपये से उच्चीकृत किया जाएगा। गाजियाबाद जिला महिला चिकित्सालय आठ लाख, गाजियाबाद लोनी के 50 बेड संयुक्त चिकित्सालय को 2744250 रुपये, गाजियाबाद डूडाहेड़ा स्थित 50 बेड संयुक्त चिकित्सालय 2744250 रुपये, बुलंदशहर खुर्जा के एलएसपीजी चिकित्सालय को 20 लाख रुपये, मऊ जिला चिकित्सालय को 20 लाख रुपये से संवारा जाएगा।

### राहुल गांधी की सांसदी को चुनौती देने वाली याचिका हाईकोर्ट ने की खारिज, कहा

# सजा पर 2023 में ही लग चुकी रोक

संवाददाता

**लखनऊ।** यूपी में हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को लोकसभा चुनाव से अयोग्य करार देने के आग्रह वाली याचिका बृहस्पतिवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति शेखर बी सराफ और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने यह फैसला स्थानीय अधिवक्ता अशोक पांडेय की याचिका पर दिया। याची ने इस आधार पर राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता खत्म करने का आग्रह किया था कि गुजरात की एक अदालत से मानहानि के केस में उन्हें सजा सुनाई गई थी, इसलिए वह सांसद के रूप में अयोग्य थे। कोर्ट ने कहा कि राहुल गांधी की सजा पर सुप्रीम कोर्ट ने 2023 में ही रोक लगा दी थी। ऐसे में राहुल की अयोग्यता अमल में नहीं है। ऐसे में याचिका खारिज की जाती है।

हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने एक अहम आदेश में कहा कि तहसीलों में लंबित मुकदमों की सुनवाई में यदि देरी होती है। इसका कोई ठोस कारण नहीं है तो संबंधित पीठासीन अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

### सोनिया गांधी के खिलाफ दर्ज हो एफआईआर

**नई दिल्ली/ एजेंसी।** कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी के खिलाफ वोट चोरी का मुकदमा दर्ज कराने के लिए एक शख्स ने दिल्ली के राउज़ एवेन्यू कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। अपनी अर्जी में उस शख्स ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है जिसमें सोनिया गांधी के खिलाफ समन जारी करने का निर्देश देने से साफ तौर पर मना कर दिया गया था। अर्जी में आरोप लगाया गया है कि भारतीय नागरिकता लेने से तीन साल पहले ही सोनिया गांधी का नाम मतदाता सूची में जोड़ दिया गया था। यह केस शुक्रवार को राउज़ एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज विशाल गोगने के सामने आया। जज ने इसे 9 दिसंबर को विचार के लिए लिस्ट करने का आदेश दिया है। यह क्रिमिनल रिवीजन अर्जी विकास त्रिपाठी नाम के एक व्यक्ति ने फाइल की है। त्रिपाठी ने अपनी अर्जी में एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया के 11 सितंबर के आदेश को चुनौती दी है।

## सम्पादकीय

### समुत्थानशील आर्थिक संवृद्धि का मार्ग

भारत की सितंबर तिमाही की 8.2 प्रतिशत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर उम्मीदों से अधिक रही है, जो विनिर्माण (9.1 प्रतिशत) और सेवाओं (9.2 प्रतिशत) के योगदान से बढ़ी है तथा निजी खपत में भी उछाल आया है जो 7.9 प्रतिशत तक पहुँच गई है। हालाँकि, यह वृद्धि भ्रामक हो सकती है, रिकॉर्ड 41.68 अरब डॉलर का व्यापार घाटा, अमेरिकी टैरिफ से पहले संभावित निर्यात वृद्धि और 1 प्रतिशत से नीचे का असामान्य रूप से कम जीडीपी अपस्फीति दर आर्थिक स्थिरता पर प्रश्नचिह्न लगाती है। वृद्धि अभी भी पूंजी-प्रधान और औपचारिक क्षेत्रों तक सीमित है, जबकि श्रम-प्रधान उद्योग एवं ग्रामीण उपभोग अभी भी कमज़ोर बने हुए हैं। चुनौती केवल विकास दर को बनाए रखने की नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करने की भी है कि वे व्यापक आर्थिक समृद्धि में परिवर्तित हों। इलेक्ट्रॉनिक्स और फार्मास्यूटिकल्स में उत्पादन-संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के विकास से प्रेरित होकर, भारत केवल असेंबली से आगे बढ़कर उच्च मूल्य वाले घटक विनिर्माण की ओर बढ़ रहा है। यह संरचनात्मक बदलाव पीसीबी और एक्टिव फार्मास्यूटिकल्स इन्ग्रेडिएंट्स जैसे महत्त्वपूर्ण मध्यवर्ती पदार्थों के लिये आयात निर्भरता को कम कर रहा है, जिससे एक लचीला घरेलू औद्योगिक आधार तैयार हो रहा है, जो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला आघात के प्रति कम सुभेद्य है। एक स्पष्ट 'वियोजन' दिखाई दे रहा है, जहाँ ग्रामीण मांग वर्तमान में शहरी खपत से आगे निकल रही है, जो सामान्य से बेहतर मानसून एवं स्थिर मुद्रास्फीति के कारण संभव हो रहा है, जिससे कृषि अर्थव्यवस्था में क्रय शक्ति पुनर्स्थापित हो गई है। यह पुनरुत्थान महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह मेट्रो शहरों से परे उपभोग आधार को व्यापक बनाता है तथा एफएमसीजी और दोपहिया वाहन क्षेत्रों के लिये अधिक संधारणीय घरेलू मांग इंजन का निर्माण करता है। उदाहरण के लिये, वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र में 9.1 प्रतिशत की मज़बूत वृद्धि हुई, जो सामान्य अर्थव्यवस्था से बहुत अधिक थी; पीएलआई योजनाओं ने अगस्त 2024 तक 1.46 लाख करोड़ रुपये से अधिक का वास्तविक निवेश प्राप्त किया है, जिससे भारत मोबाइल फोन का शुद्ध निर्यातक बन गया है। वर्तमान आर्थिक विकास बुनियादी डिजिटल एक्सेस से आगे बढ़कर 'बुद्धिमान' अनुप्रयोगों की ओर स्थानांतरित हो गया है, जहाँ इंडिया स्टैक (यूपीआई, ओएनडीसी) के शीर्ष पर निर्मित एआई और डेटा एनालिटिक्स एमएसएमई के लिये ऋण एवं बाज़ार अभिगम्यता को लोकतांत्रिक बना रहे हैं। यह 'डिजिटलीकरण के माध्यम से औपचारिकीकरण' छोटे उद्यमों को संपार्श्विक-मुक्त ऋण और वैश्विक बाज़ारों तक अभिगम्यता प्रदान करता है, जिससे विशाल अनौपचारिक क्षेत्र में उत्पादकता को बढ़ावा मिलता है। मुख्य बाधा कार्यबल के बड़े पैमाने पर प्रवाह को अवशोषित करने में विनिर्माण क्षेत्र की अक्षमता बनी हुई है, जो शैक्षणिक उत्पादन और उद्योग 4.0 आवश्यकताओं के बीच गंभीर विसंगति से और भी बढ़ जाती है। यद्यपि जीडीपी बढ़ रहा है, फिर भी श्रम बाज़ार को 'संरचनात्मक शैथिल्ययुक्त' का सामना करना पड़ रहा है, जहाँ लाखों स्नातकों में उच्च-मूल्य वाली भूमिकाओं के लिये आवश्यक विशिष्ट तकनीकी योग्यता का अभाव है, जिससे स्थिर गुणवत्ता वाले रोज़गार के साथ उच्च विकास का विरोधाभास उत्पन्न हो रहा है। एक मज़बूत नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के लिये लचीले नियामक सैंडबॉक्स, गहन उद्योग-अनुसंधान संबंध और अग्रणी प्रौद्योगिकियों में मिशन-संचालित अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों की आवश्यकता होती है। भारत की वर्तमान विकास गति में जहाँ एक ओर विनिर्माण क्षेत्र की रणनीतिक उन्नति, ग्रामीण उपभोग में सुधार, आधारभूत ढाँचे में व्यापक निवेश एवं डिजिटल एकीकरण जैसी संरचनात्मक सुदृढ़ताएँ शामिल हैं, वहीं दूसरी ओर उभरती हुई चुनौतियाँ भी स्पष्ट हैं। रोज़गार-विहीन वृद्धि, एमएसएमई क्षेत्र में ऋण-अंतर और वैश्विक व्यापार से संबंधित अनिश्चितताएँ इस प्रगति की समुत्थानशीलता पर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। दीर्घकालिक एवं समावेशी विकास के लिये मानव पूँजी का सशक्तीकरण, हरित औद्योगीकरण, आपूर्ति श्रृंखला की मज़बूती तथा नवाचार-आधारित नीतियों को और गहन बनाने की आवश्यकता है। एमएसएमई क्षेत्र के लिये लक्षित समर्थन तथा प्रौद्योगिकी-सक्षम शासन ही भारत की उच्च जीडीपी वृद्धि को व्यापक, सहभागितापूर्ण और स्थायी आर्थिक शक्ति में रूपांतरित कर सकते हैं।

# एंटीबायोटिक्स का मकड़जाल, सुपरबग्स का बढ़ता खतरा

**“ जहाँ दवाएँ बेअसर हो जाती हैं और सामान्य बीमारी भी जल्दी ठीक नहीं होती है। उनके इलाज पर बहुत ज़्यादा खर्च करना पड़ता है। चिंता की बात यह है कि पोल्ट्री और डेयरी फार्मिंग में भी एंटीबायोटिक्स का अत्यधिक प्रयोग किया जा रहा है। नतीजतन, अगर हम खुद एंटीबायोटिक्स कम लें तो भी यह समस्या दूसरे रूप में हमें घेरे रहेगी। इसलिए सरकार ने एंटीबायोटिक्स के प्रयोग को लेकर गाइडलाइन जारी की है।**

प्रदीप श्रीवास्तव

किसी भी बीमारी के लिए एंटीबायोटिक्स यानी रोग प्रतिरोधी दवाएँ बहुत कारगर मानी जाती हैं। यही वजह है कि बाज़ार में सबसे ज़्यादा एंटीबायोटिक दवाएँ बिकती हैं। हालाँकि, इनके अंधाधुंध प्रयोग से हमारे देश में ÷सुपरबग्स÷ जैसी खतरनाक स्थिति पैदा हो गई है, जहाँ दवाएँ बेअसर हो जाती हैं और सामान्य बीमारी भी जल्दी ठीक नहीं होती है। उनके इलाज पर बहुत ज़्यादा खर्च करना पड़ता है। चिंता की बात यह है कि पोल्ट्री और डेयरी फार्मिंग में भी एंटीबायोटिक्स का अत्यधिक प्रयोग किया जा रहा है। नतीजतन, अगर हम खुद एंटीबायोटिक्स कम लें तो भी यह समस्या दूसरे रूप में हमें घेरे रहेगी। इसलिए सरकार ने एंटीबायोटिक्स के प्रयोग को लेकर गाइडलाइन जारी की है, जिसमें इनके इस्तेमाल को लेकर कई तरह के दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। सन 1928 में लंदन के सेंट मैरी हॉस्पिटल मेडिकल स्कूल में कार्यरत स्कॉटलैंड के वैज्ञानिक अलेक्ज़ेंडर फ़्लेमिंग ने जीवाणुओं (बैक्टीरिया) पर शोध करते हुए एंटीबायोटिक पेनिसिलिन की खोज की। दूसरे विश्वयुद्ध में जब लाखों घायल सैनिक संक्रमण से मर रहे थे, तब पेनिसिलिन वरदान साबित हुई। इससे अनगिनत सैनिकों की जान बचाई गई। पेनिसिलिन ने चिकित्सा विज्ञान की दिशा बदल दी और इसे आधुनिक एंटीबायोटिक युग की शुरुआत माना जाता है। हालाँकि, साल 1945 के बाद से ही फ़्लेमिंग ने खुद चेतावनी दी कि एंटीबायोटिक के बहुत ज़्यादा प्रयोग से प्रतिरोध पैदा होगा। यही हुआ, एंटीबायोटिक का अंधाधुंध प्रयोग शुरू हो गया, जिससे बीमारी एक बार ठीक होने बाद दोबारा होने पर उससे कई तरह की परेशानियाँ शुरू होने लगी। अब यह समस्या और बड़ी बनने लगी है क्योंकि भारत जैसे देशों में बिना डॉक्टर की सलाह के एंटीबायोटिक लेना, अधूरा कोर्स करना और छोटी-मोटी बीमारी में भी इसका इस्तेमाल आम बात है। ज़्यादा एंटीबायोटिक के प्रयोग से हमारे शरीर के बैक्टीरिया, दवाइयों के प्रति प्रतिरोधक विकसित कर लेते है इसे एंटीमाइक्रोबियल रेज़िस्टेंस कहा जाता है और यह स्थिति ÷सुपरबग्स÷ के रूप में उभरकर सामने आती है। यानी ऐसी स्थिति जिसमें ताकतवर जीवाणु, दवाओं से नहीं मरते और उन पर साधारण एंटीबायोटिक काम नहीं करती। ऐसे में न सिर्फ मरीजों पर दवाओ का खर्च बढ़ता जाता है, बल्कि भविष्य में वह कई बीमारियों को न्योता देता है और सामान्य संक्रमण यानी खाँसी, बुखार, घाव का इन्फेक्शन होने पर इसका इलाज भी मुश्किल हो जाता है। पहले जिन बीमारियों का इलाज 100 रुपये की दवा से हो जाता था, उनके लिए अब लाखों रुपये की नई और महँगी दवाएँ या इंजेक्शन लगते हैं। क्योंकि वह छोटी या सामान्य बीमारी पर दवाएँ बेअसर होती है, उन्हें ठीक करने के लिए कई तरह की जाँचें करानी पड़ती है और नई किस्म की दवाएँ देनी पड़ती है और मरीज को अस्पताल में ज़्यादा दिन भर्ती रहना पड़ता है। बार-बार एंटीबायोटिक लेने से डायरिया, एलर्जी, त्वचा पर दाने जैसी समस्याएँ भी आने लगती हैं और लंबे समय में किडनी, लीवर और पेट पर असर पड़ता है। सबसे बड़ी बात है कि एंटीबायोटिक हानिकारक बैक्टीरिया के साथ-साथ अच्छे बैक्टीरिया को भी मार देते हैं। इससे खराब पाचन, इम्युनिटी कमज़ोर और बार-बार संक्रमण की समस्या हो सकती है।

भारत पहले से ही एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस का हॉटस्पॉट बन चुका है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद् की रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर साल लगभग 7 लाख लोग एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस से जुड़ी बीमारियों से प्रभावित होते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि अगर इस समस्या पर रोक नहीं लगी तो साल 2050 तक भारत समेत विश्व में एंटीमाइक्रोबियल रेसिस्टेंस के कारण 1 करोड़ मौतें प्रति वर्ष हो सकती हैं। भारत में एंटीबायोटिक्स का बाज़ार बहुत बड़ा है, क्योंकि यहाँ संक्रमण संबंधी बीमारियाँ आम हैं। 2023 में भारत में एंटीबायोटिक्स का बाजार करीब 49,000 करोड रूपये का था। अनुमान है कि 2024ङ्क2030 के बीच यह बाज़ार लगभग 6ङ्क7त्न चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ेगा और साल 2030 तक यह बाज़ार 83,000 करोड़ रूपये तक पहुँच सकता है। मालूम हो कि भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा एंटीबायोटिक उत्पादक देश है। यहाँ बनने वाले जेनेरिक एंटीबायोटिक्स का एक बड़ा हिस्सा अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका को निर्यात होता है। भारतीय फ़ार्मा कंपनियाँ दुनिया भर के 20त्न से अधिक जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति करती हैं।

द लैंसेट की 2022 रिपोर्ट के अनुसार भारत में प्रति व्यक्ति एंटीबायोटिक खपत दुनिया में सबसे अधिक है। अनुमान है कि हर साल भारत में लगभग 1,300 करोड़ से अधिक की खुराक एंटीबायोटिक की ली जाती हैं। इसमें से भी ग्रामीण और छोटे शहरों व कस्बों में एंटीबायोटिक का उपयोग बड़े शहरों की अपेक्षा बहुत अधिक होता है। भारत सरकार ने शेड्यूल एच-1 लागू किया है, जिसके तहत कई एंटीबायोटिक दवाएँ केवल पर्चे पर ही मिल सकती हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और विश्व स्वास्थ्य संगठन के सहयोग से एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप प्रोग्राम को लागू किया जा रहा है ताकि दुरुपयोग कम हो, फिर भी समस्या जस की तस है। साल 2025 में भारत की जनसंख्या लगभग 1.40 अरब है, यानी भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है। देश में करीब लगभग 93 करोड़ आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है, जबकि शहरों में लगभग 50 करोड लोग निवास करते हैं। उसमें स्थिति देखें तो सर्दी-खाँसी-जुकाम, बुखार, डायरिया जैसी बीमारियाँ से हर साल भारत में करीब 30ङ्क35 करोड़ से अधिक लोग प्रभावित होते हैं और लगभग 6.2 करोड़ डायबिटीज और 7.7 करोड़ हृदय रोग से पीड़ित हैं। साल 2024 तक हमारे देश में कुल पंजीकृत डॉक्टरों की संख्या लगभग 13 लाख हैं, इनमें से 10.4 लाख एलोपैथिक डॉक्टर और 4.5 लाख आयुष डाक्टर (आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी आदि) हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानक के अनुसार 1,000 की जनसंख्या पर कम से कम 1 डॉक्टर होना चाहिए। जबकि भारत में 1,000 की आबादी पर मात्र 0.7 डॉक्टर उपलब्ध हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में यह अनुपात और भी कम है और कई राज्यों में 1000 की आबादी पर मात्र 0.2 डाक्टर हैं। भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी, 2023 की रिपोर्ट की माने तो देश में 1.55 लाख सब-सेंटर, 25,000 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, 5,600 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैं। इनमें से लगभग 65ङ्क70त्न स्वास्थ्य केंद्र ग्रामीण इलाकों में स्थित हैं। भले ही देश में करीब एक लाख से ज़्यादा स्वास्थ्य केंद्र ग्रामीण इलाकों में हों, लेकिन अभी भी यहाँ डाक्टरों और स्वास्थ्य केंद्रों की भारी कमी है। देश में साधारण बीमारियों से हर साल करीब 30 करोड़ लोग प्रभावित हैं, जिनका इलाज कुछ लाख डाक्टरों या स्वास्थ्य केंद्रों के भरोसे संभव नहीं है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

# भारत के लिए बदलता इंडो-पैसिफिक समीकरण

डॉ प्रियंका सौरभ

जापान और चीन के बीच बढ़ते तनाव के केंद्र में आज ताइवान का प्रश्न है, जिसने पूरे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शक्ति-संतुलन को नया मोड़ दे दिया है। भौगोलिक निकटता, समुद्री हितों और ऐतिहासिक संवेदनशीलताओं के कारण जापान ताइवान की स्थिरता को अपने ही राष्ट्रीय सुरक्षा हितों का विस्तार मानता है। पिछले कुछ वर्षों में चीन द्वारा ताइवान के आसपास की सैन्य गतिविधियों में तेज़ी- चाहे वह वायु क्षेत्र का उल्लंघन हो, मिसाइल परीक्षण हों या बड़े पैमाने पर नौसैनिक अभ्यास ने जापान की खतरा-धारणा को पूरी तरह बदल दिया है। साल 2022 में चीनी मिसाइलों का जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र में गिरना इस बात का सटीक संकेत था कि ताइवान संकट सीधे जापान के भू-राजनीतिक वातावरण को प्रभावित करता है। इसी कारण जापान ने अपनी सुरक्षा-रणनीति में अभूतपूर्व परिवर्तन किए हैं। दशकों से चले आ रहे शांतिवादी दृष्टिकोण के बावजूद उसने रक्षा-व्यय को दोगुना कर जीडीपी के 2त्न तक ले जाने का निर्णय लिया है। लंबे समय से निष्क्रिय पड़े सैन्य ढाँचों को पुनर्जीवित किया जा रहा है, दक्षिण-पश्चिमी द्वीपों पर नई मिसाइल तैनाती की जा रही है और अमेरिका के साथ संयुक्त संचालन क्षमता को काफी बढ़ाया गया है। जापान समझता है कि यदि ताइवान में संघर्ष उत्पन्न होता है तो चीन की आक्रामकता सेंकाकू द्वीपों और जापानी जलक्षेत्रों की ओर भी बढ़ सकती है। इसलिए उसकी पूरी सुरक्षा-दृष्टि अब ताइवान जलडमरूमध्य की स्थिरता से गहराई से जुड़ चुकी है। यह परिवर्तन उसकी विदेश-नीति में भी स्पष्ट दिखाई देता है। पहले जहाँ जापान ताइवान मुद्दे पर खुलकर बोलने से कतराता था, आज वह अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बार-बार ÷ताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता÷ को अनिवार्य बता रहा है। चीन के प्रति उसका कूटनीतिक रुख कहीं अधिक सख्त हुआ है। ताइवान को लेकर जापानी प्रधानमंत्री की टिप्पणी पर चीन की धमकियों के बाद जापान द्वारा चीनी राजदूत को तलब करना इस बदलाव का प्रतीक है। साथ ही जापान अब क्वाड, आसियान देशों और यूरोपीय साझेदारों के साथ नई सुरक्षा-संरचनाएँ विकसित कर रहा है, ताकि चीन की बढ़ती सैन्य क्षमता का संतुलन बनाया जा सके। यह संपूर्ण परिदृश्य भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत और जापान दोनों चीन की आक्रामक प्रवृत्ति से चिंतित हैं, इसलिए दोनों देशों के बीच सुरक्षा-सहयोग स्वाभाविक रूप से गहरा हो रहा है। क्वाड की सामरिक महत्ता बढ़ी है और हिंद-प्रशांत में समुद्री निगरानी, नौसैनिक अभ्यास और तकनीकी सहयोग में तेजी आई है। जापान का सैन्य आधुनिकीकरण भारत के लिए रक्षा-उद्योग, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में नए अवसर खोलता है। परंतु चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। भारत चीन के साथ स्थिर संबंध बनाए रखना चाहता है, क्योंकि सीमा-क्षेत्र की शांति और आर्थिक सहयोग उसकी प्रत्यक्ष आवश्यकता है। किंतु चीन-जापान तनाव का बढ़ना भारत-चीन संतुलन को और जटिल बनाता है। यदि भारत जापान और अमेरिका के साथ ज्यादा निकटता दिखाता है तो चीन सीमा पर दबाव बढ़ा सकता है। दूसरी बड़ी चिंता ताइवान जलडमरूमध्य में किसी भी सैन्य संकट से जुड़ी है। भारत के लिए यह समुद्री मार्ग अत्यंत महत्वपूर्ण है; यहाँ किसी भी अस्थिरता से ऊर्जा आयात, व्यापार, इलेक्ट्रॉनिक चिप आपूर्ति और संपूर्ण समुद्री परिवहन पर भारी असर पड़ेगा। इससे भारत की आर्थिक गति और सुरक्षा व्यवस्था दोनों को जोखिम हो सकता है। तीसरी चुनौती अमेरिका की ÷रणनीतिक अस्पष्टता है। अमेरिका ने कभी स्पष्ट नहीं कहा कि ताइवान पर हमले की स्थिति में वह सैन्य हस्तक्षेप करेगा या नहीं। यह अनिश्चितता पूरे क्षेत्र को दुविधा की स्थिति में डालती है। जापान और ताइवान तो इससे चिंतित हैं ही, भारत के लिए भी यह प्रश्न महत्वपूर्ण है, क्योंकि क्वाड की वास्तविक उपयोगिता इसी पर निर्भर करती है कि अमेरिका किस हद तक निर्णायक भूमिका निभाता है। यदि अमेरिका अनिश्चित रहता है, तो चीन को क्षेत्र में और आक्रामक कदम उठाने का प्रोत्साहन मिल सकता है, जिसका असर भारत की सुरक्षा-संतुलन पर भी पड़ेगा। इन जटिलताओं के बीच भारत के लिए अवसर भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं। जापान की नई सक्रियता रक्षा-उद्योग सहयोग, समुद्री तकनीक, पनडुब्बी क्षमता और संयुक्त सैन्य अभ्यासों को नई दिशा दे सकती है। भारत और जापान मिलकर एक स्थिर और नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक की दिशा में ठोस कदम उठा सकते हैं। व्यापार-मार्गों का विविधीकरण भी भारत के लिए अनिवार्य होगा, ताकि ताइवान जलडमरूमध्य पर अत्यधिक निर्भरता कम हो सके। अंततः ताइवान संकट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि इंडो-पैसिफिक का भविष्य अब पुराने समीकरणों पर नहीं चल सकता। जापान अपनी सुरक्षा-रणनीति को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है, चीन अपनी शक्ति का विस्तार जारी रखे हुए है और अमेरिका अपनी भूमिका को आंशिक रूप से पुनर्संतुलित कर रहा है। ऐसे परिदृश्य में भारत को अत्यंत संतुलित, चतुर और बहुस्तरीय कूटनीति अपनानी होगी- ऐसी कूटनीति, जो न तो चीन से अनावश्यक टकराव पैदा करे और न ही जापान, अमेरिका तथा अन्य साझेदारों के साथ बढ़ते सहयोग को धीमा करे। इंडो-पैसिफिक के बदलते समीकरण भारत के लिए चुनौतीपूर्ण भी हैं और अवसर भी। यह समय भारत की सामरिक परिपक्वता, आर्थिक शक्ति-विस्तार और निर्णायक विदेश-नीति का है।

(यह लेखक के अपने विचार है)

## सूडोकु नवताल- 7635

मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 1 | | | | | 6 |
| 7 | | 2 | | 5 | | | | 9 |
| | | 4 | | | 2 | 7 | 5 | |
| 5 | 7 | | | | 9 | | 1 | 8 |
| | | | | 6 | | | | |
| 6 | 1 | | 3 | | | | 2 | 4 |
| | 5 | 1 | 9 | | | 8 | | |
| 2 | | | | 8 | | 9 | | 1 |
| 9 | | | | | 3 | | | |

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7634 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 9 | 3 | 2 | 4 | 6 | 5 | 8 | 7 |
| 4 | 7 | 2 | 5 | 1 | 8 | 3 | 6 | 9 |
| 6 | 5 | 8 | 7 | 3 | 9 | 1 | 2 | 4 |
| 3 | 8 | 9 | 4 | 5 | 1 | 2 | 7 | 6 |
| 2 | 4 | 7 | 6 | 9 | 3 | 8 | 1 | 5 |
| 5 | 1 | 6 | 8 | 7 | 2 | 4 | 9 | 3 |
| 8 | 2 | 4 | 9 | 6 | 5 | 7 | 3 | 1 |
| 7 | 6 | 1 | 3 | 2 | 4 | 9 | 5 | 8 |
| 9 | 3 | 5 | 1 | 8 | 7 | 6 | 4 | 2 |

## शब्द पहेली - 8698

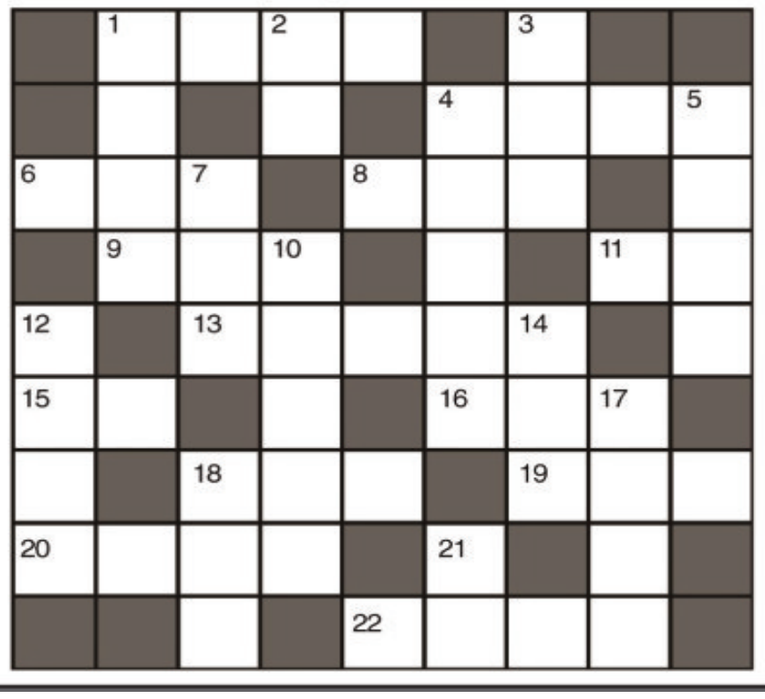

### बाएँ से दाएँ

1. प्रार्थना, खुशामद-4
4. श्मशान, शवदाहगृह-4
6. भ्रमर, चक्र-3
8. कामदेव, सुंदर-3
9. चांदी-3
11. सितारा-2
13. राजकुमार, मनोज कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-5
15. हालात, तबियत-2
16. फिजूल, व्यर्थ-3
18. डिपो-3
19. गमन, विदा-3
20. झगड़ा, अनबन-4
22. लुंगी-4

### ऊपर से नीचे

1. आलता, माहुर-4
2. घाटा, नुकसान-2
3. कमल, जलज-3
4. अभिष्ट इच्छा, चाह-5
5. टक्कर, मुठभेड़-4
7. रात्रि, निशा-3
10. जरुरतमंद-5
12. हाथी साधने वाला-4
14. तरंग, हिलोर-3
17. कसरत, परेड-4
18. विश्राम, राहत-3
21. मार्ग, पथ-2

शब्द पहेली -8697 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| त | फ | री | ह | | क | ल | र | व |
| क | | छ | ल | क | प | ट | | र |
| रा | ख | | | म | | | वं | दा |
| र | त | | प | ल | क | | दा | न |
| | र | स | ना | | मा | ख | न | |
| त | ना | | ह | म | ल | | वा | स |
| ल | क | | | ग | | | ज | ल |
| घ | | म | न | र | ख | ना | | वा |
| र | म | जा | न | | त | क | दी | र |

Jagrutidaur.com, Bangalore

## आज का राशिफल

**मेष** – कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। आपके द्वारा प्रस्तुत योजना से लोग प्रभावित होंगे। शुभांक-2-4-6

**वृष** – महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-2-4-5

**मिथुन** – राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-6-8-9

**कर्क** – आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मचिंतन करें। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। शुभांक-3-6-8

**सिंह**– आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। विवाद को टालें। शुभांक-3-5-7

**कन्या**– वेग में आकर किये गए कार्यों से अवसाद रहेगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी।शुभांक-1-4-6

**तुला**– आलस्य का त्याग करें। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। शुभांक-4-7-8

**वृश्चिक**– भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-2-5-7

**धनु**– कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-6-8

**मकर**– जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-3-5-7

**कुंभ**– बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-3-5-7

**मीन**– संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-3-5-7

# बॉक्स ऑफिस पर तेरे इश्क में की कमाई में आई गिरावट

बॉलीवुड अदाकारा कृति सेनन और धनुष की मुख्य भूमिकाओं वाली रोमांटिक-एक्शन फिल्म %तेरे इश्क में% ने रिलीज के बाद कई दिनों तक बॉक्स ऑफिस पर जोरदार प्रदर्शन किया, लेकिन अब इसकी रफ्तार धीरे-धीरे धीमी पड़ती नजर आ रही है। 28 नवंबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने शुरुआती वीकेंड से लेकर पहले हफ्ते तक लगातार अच्छी कमाई की और दर्शकों की भरपूर सराहना भी पाई। हालांकि, अब इसके कलेक्शन में गिरावट दर्ज की गई है।

सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक %तेरे इश्क में% ने रिलीज के सातवें दिन 5.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जो अब तक का इसका सबसे कम कलेक्शन माना जा रहा है। इससे पहले फिल्म ने छठे दिन 6.85 करोड़, पांचवें दिन 10.25 करोड़ और चौथे दिन 8.75 करोड़ रुपये कमाए थे। कुल मिलाकर फिल्म ने सात दिनों में भारत में 83.60 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। कमाई में भले ही गिरावट दर्ज हुई हो, लेकिन आंकड़ों को देखते हुए यह साफ है कि फिल्म 100 करोड़ क्लब से अब ज्यादा दूर नहीं है। शंकरङ्कमुक्ति की प्रेम और बदले की कहानी आनंद एल राय निर्देशित यह फिल्म एक तीव्र भावनात्मक प्रेम कहानी को दर्शाती है। कहानी कॉलेज में पढ़ने वाली मुक्ति (कृति सैनन) और गुस्सैल लेकिन मासूम शंकर (धनुष) की मुलाकात से शुरू होती है। दोनों एक-दूसरे के करीब आते हैं, लेकिन हालातों के चलते मुक्ति के दूर जाने से शंकर बिखर जाता है। अपनी जिंदगी को दिशा देने और दर्द को भुलाने के लिए वह यूपीएससी परीक्षा पास करता है, और इसके बाद शुरू होती है फिल्म की असली कहानी, प्यार, जुनून और बदले की एक गहरी यात्रा।

दर्शकों ने फिल्म के संगीत, भावनात्मक सीक्वेंस और धनुषङ्ककृति की कैमिस्ट्री की जमकर तारीफ की है।



# लंदन में लगा डीडीएलजे के राज-सिमरन का स्टैच्यू

यश राज फ़िल्म्स की प्रतिष्ठित ब्लॉकबस्टर दिलवाले दुल्हनिया ले जायेंगे (डीडीएलजे) के 30 साल पूरे होने के मौक़े पर लंदन के ऐतिहासिक लीसेस्टर स्क्वायर में राज और सिमरन की कांस्य प्रतिमा का भव्य अनावरण किया गया। शाहरुख़ ख़ान और काजोल द्वारा अनावरण की गई यह प्रतिमा ऐतिहासिक है, क्योंकि यह पहली भारतीय फ़िल्म है जिसे इस प्रतिष्ठित स्थान पर जगह मिली है। अब यह प्रतिमा हैरी पॉटर, मैरी पॉपिन्स, पैडिंगटन और वंडर वुमन जैसे वैश्विक सांस्कृतिक प्रतीकों के साथ शान से खड़ी है। प्रतिमा में राज और सिमरन का वह मशहूर पोज़ दर्शाया गया है, जिसने दक्षिण एशियाई समुदायों में पॉप-कल्चर की यादों पर अमिट छाप छोड़ी है। इस अवसर पर अपनी भावनाएँ व्यक्त करते हुए शाहरुख़ ख़ान ने कहा कि किसी ने कल्पना नहीं की थी कि डीडीएलजे इतना बड़ा फिनोमेनन बन जाएगी।

> उन्होंने बताया कि यह फिल्म विदेशों में बसे भारतीयों के लिए एक भावनात्मक प्रतीक बन चुकी है और यह प्रतिमा उन्हें 'घर' की याद दिलाएगी। 1995 में रिलीज़ हुई डीडीएलजे की प्रेम कहानी यूरोप से शुरू होकर भारत में सिमटती है।

उन्होंने यह भी बताया कि यूके, विशेषकर लंदन, उनके करियर और स्टारडम की यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। उनके अनुसार यह सम्मान पूरे भारतीय फ़िल्म उद्योग के लिए गर्व का क्षण है। काजोल ने भी इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए कहा कि 30 साल बाद भी डीडीएलजे दुनिया की सबसे लंबे समय तक चलने वाली फिल्मों में से एक है और गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज है। उन्होंने बताया कि यह फिल्म विदेशों में बसे भारतीयों के लिए एक भावनात्मक प्रतीक बन चुकी है और यह प्रतिमा उन्हें 'घर' की याद दिलाएगी। 1995 में रिलीज़ हुई डीडीएलजे की प्रेम कहानी यूरोप से शुरू होकर भारत में सिमटती है। यह फिल्म आज भी भारतीय सिनेमा की सांस्कृतिक विरासत का जीवंत और अविस्मरणीय हिस्सा बनी हुई है।

# यूट्यूब पर छाया परफेक्ट फेमिली का क्रेज



बॉलीवुड के शानदार अभिनेता पंकज त्रिपाठी, जिन्हें मिर्जापुर में कालीन भैया के दमदार अभिनय के लिए खूब सराहना मिली, अब निर्माता के रूप में भी अपनी नई पहचान बना रहे हैं। हाल ही में उनकी कॉमेडी-ड्रामा वेब सीरीज परफेक्ट फेमिली सीधे यूट्यूब पर रिलीज की गई, जिसने देखते-ही-देखते दर्शकों के दिलों में जगह बना ली है।

रिपोर्ट के अनुसार परफेक्ट फेमिली 27 नवंबर को यूट्यूब पर स्ट्रीम हुई थी और कुछ ही दिनों में इसे 20 लाख से अधिक व्यूज मिल गए। दर्शकों ने न केवल कहानी और किरदारों को सराहा, बल्कि समीक्षकों ने भी इसकी जमकर तारीफ की है। खास बात यह है कि यह भारत की पहली लंबी अवधि वाली वेब सीरीज मानी जा रही है।

## पंकज त्रिपाठी ने जताई खुशी

सीरीज की सफलता पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए पंकज त्रिपाठी ने कहा, दर्शकों ने परफेक्ट फेमिली को जिस प्यार और उत्साह से अपनाया है, उससे मैं बेहद खुश हूं। इस शो को प्रस्तुत करने का मेरा फैसला टीम की मेहनत, उनकी कहानी कहने की शैली और एक ईमानदार, हास्यपूर्ण तथा जिंदगी की छोटी-छोटी बातों से जुड़ी दुनिया को दर्शाने की प्रतिबद्धता के कारण लिया था। बता दें कि परफेक्ट फैमिली के पहले दो एपिसोड यूट्यूब पर मुफ्त उपलब्ध हैं, जबकि बाकी एपिसोड देखने के लिए दर्शकों को 59 रुपये का भुगतान करना होगा।

# धुरंधर की दूसरी किस्त रिवेंज का धमाकेदार ऐलान



2026 में बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त मुकाबला देखने को मिलने वाला है। फिल्मों के टकराव का सिलसिला एक बार फिर तेज़ होगा, क्योंकि रणवीर सिंह की हाल ही में रिलीज़ हुई फिल्म %धुरंधर% के सीक्वल की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। आदित्य धर निर्देशित यह फिल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में उतरी थी और रिलीज़ के बाद से दर्शकों व समीक्षकों से सकारात्मक प्रतिक्रियाए मिल रही हैं। इसी बीच मेकर्स ने फिल्म के अंत में ही दूसरी किस्त की रिलीज़ डेट बताकर दर्शकों को बड़ा सरप्राइज़ दे दिया।

## सीक्वल का नाम रिवेंज होगा

लंबे समय से यह चर्चा थी कि धुरंधर का सीक्वल बनाया जाएगा और अब यह बात सच साबित हो चुकी है। निर्माताओं ने घोषणा कर दी है कि दूसरी किस्त का शीर्षक रिवेंज होगा। फिल्म 19 मार्च, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ की जाएगी। अब दर्शकों में उत्सुकता है कि इस बार कहानी किस मोड़ पर आगे बढ़ेगी और नए सीक्वल में क्या ट्विस्ट और नयापन देखने को मिलेगा। रिवेंज के सामने होंगी दो बड़ी फिल्में धुरंधर- रिवेंज की रिलीज़ डेट का ऐलान करते ही साफ हो गया है कि 2026 के मार्च महीने में बॉक्स ऑफिस पर तीन बड़ी फिल्मों के बीच कड़ी भिड़ंत होने वाली है।

# एक्टिंग की वजह से घर से निकाले गए, कभी अकाउंट में सिर्फ 18 रुपए थे

29 मार्च 1986 को हैदराबाद में जन्मे विजय वर्मा ने बिना परिवार के सपोर्ट के एक्टिंग में सफल करियर बनाया है। विजय वर्मा ने भारतीय सिनेमा में अपने टैलेंट और दमदार एक्टिंग के दम पर मजबूत पहचान बनाई है। उनकी सफलता मेहनत, समर्पण और अलग-अलग प्रकार के किरदार निभाने की क्षमता का नतीजा है। उन्होंने अपने करियर में कई चुनौतीपूर्ण और विविध भूमिकाएं निभाई, जिनमें उनकी गहराई और भावपूर्ण अभिव्यक्ति साफ झलकती है। विजय न केवल फिल्मी सेट पर बल्कि थिएटर और वेब सीरीज में भी अपनी कला का लोहा मनवा चुके हैं। उनकी संवेदनशील और स्वाभाविक एक्टिंग दर्शकों के बीच गहरा प्रभाव छोड़ती है, जिससे वे तेजी से इंडस्ट्री के प्रमुख कलाकारों में शुमार हो गए हैं। विजय वर्मा की रचनात्मकता और लगातार बढ़ती लोकप्रियता उन्हें भारतीय सिनेमा की नई पीढ़ी के सबसे भरोसेमंद और पसंदीदा कलाकारों में एक बनाती है। उनके संघर्ष, मेहनत और कला के प्रति समर्पण ने उन्हें सफलता के शिखर पर पहुंचाया है। जबकि एक्टिंग की वजह से उनके पापा ने उन्हें घर से निकाल दिया था। स्ट्रगल ऐसा था कि कभी अकाउंट में सिर्फ 18 रुपए थे, लेकिन गली बॉय% , 'मिर्जापुर के बाद विजय वर्मा की किस्मत चमक गई।

आज की सक्सेस स्टोरी में जानिए विजय वर्मा के करियर और निजी जीवन से जुड़ी कुछ खास बातें-

## नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्म से डेब्यू

विजय वर्मा की एक्टिंग की शुरुआत थिएटर से हुई। 10वीं कक्षा में एक्टिंग में इंटरेस्ट जगा और कॉलेज पूरा करने के बाद वे थिएटर में सक्रिय हो गए। उन्होंने फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (स्न्ञ्जढ्ढ) से अभिनय में औपचारिक शिक्षा लेने के बाद कई साल थिएटर में बिताए और फिर राज एंड डीके की शॉर्ट फिल्म शोर से फिल्मी करियर की शुरुआत की।

इसके बाद 2012 में विजय ने नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्म %चिटगांव% से फीचर फिल्म डेब्यू किया। इस फिल्म में विजय वर्मा ने युवा क्रांतिकारी झुनकू रॉय की भूमिका निभाई थी, जो 1940 के दशक के विद्रोह के दौरान सूर्य सेन के साथ काम करता है।

## गली बॉय बनी करियर का टर्निंग पॉइंट

उनके करियर का टर्निंग पॉइंट फिल्म गली बॉय थी, जिसमें उन्हें काफी सराहना मिली। इस फिल्म में विजय वर्मा ने मोईन आरिफ (मोईन) नामक किरदार निभाया, जो एक महत्वपूर्ण सहायक भूमिका थी। इस किरदार के लिए विजय वर्मा को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता के लिए फिल्मफेयर पुरस्कार सहित कई सम्मान मिले थे।

इस फिल्म के बाद बाद उनके लिए कई नए दरवाजे खुले। हालांकि एक्टिंग की राह चुनने से पहले वे कॉल सेंटर में भी काम कर चुके थे, लेकिन फिर एक्टिंग में जाने की ठानी। मेहनत के बाद वे इस उद्योग में अपनी खास पहचान बनाने में सफल हुए।



## ऐसा भी दौर रहा जब सेट पर सम्मान नहीं मिलता था

विजय के करियर का सबसे बड़ा संघर्ष आर्थिक तंगी का दौर था, जब वे लगभग पूरी तरह से संघर्षरत थे और बैंक अकाउंट में सिर्फ 18 रुपए बचे थे। इस कठिन समय में जीविका चलाने के लिए उन्हें छोटे-मोटे रोल स्वीकार करने पड़े। ऐसे ही एक मौका उन्हें एक रिपोर्टर के छोटे से रोल में मिला, जिसके लिए केवल 3,000 रुपए मिले।

यह रोल उन्होंने फिल्म %ए हिट मैन% में निभाया। हालांकि यह रोल अपनी प्रतिभा के लिहाज से मामूली था, पर स्थिति ऐसी थी कि इसे लेना ही पड़ा। विजय ने बाद में इस अनुभव को बेहद खराब बताया क्योंकि सेट पर उन्हें सम्मान नहीं मिला। विजय ने उस दौर की आर्थिक तंगी और संघर्ष को अपने करियर की बड़ी चुनौती बताया, जिसने उनकी हिम्मत और धैर्य को परखा। हार नहीं मानते हुए उन्होंने लगातार मेहनत करनी जारी रखी।

## पिता एक्टिंग करियर के खिलाफ थे

विजय के पिता उनके एक्टिंग करियर के खिलाफ थे और इस बात को लेकर घर में बहुत तनाव था। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा था, ÷मेरे आने से पहले निकल जाना ,÷ मतलब अगर तुम एक्टिंग को अपना करियर बनाना चाहते हो तो मुझसे पहले घर छोड़ दो। इस निर्णय ने पारिवारिक रिश्तों को तनावपूर्ण बना दिया। विजय कहते हैं- मेरे ख्याल से, जैसे जो भी माहौल मिलता है, वो अपने आप एक सपोर्ट होता है आर्टिस्ट के लिए। कुछ दोस्तों के माता-पिता बहुत सपोर्टिव रहे और कुछ मेरे जैसे लोग होते हैं जिन्हें कोई सपोर्ट या प्रोत्साहन नहीं मिला। ऐसे में खुद से ही रास्ता निकालना पड़ता है, अंदर से आग जलानी पड़ती है, अपने गोल सेट करने पड़ते हैं, अकेले इस सफर को तय करना पड़ता है। मैं इसे बेहतर मानता हूं बजाय पेरेंट्स के प्रेशर के।

## सपने को पूरा करने के लिए घर छोड़ा

विजय ने अपने सपने को पूरा करने के लिए घर छोड़ दिया और पुणे स्न्ञ्जढ्ढ में दाखिला लिया। हालांकि यह फैसला उनके लिए बड़ा था क्योंकि परिवार का समर्थन नहीं था, फिर भी जुनून के चलते वे दृढ़ थे। वहां से उन्होंने थिएटर से एक्टिंग शुरू की। शुरुआत में कोई बड़ी सफलता नहीं मिली, लेकिन कई सालों तक छोटे रोल्स और थिएटर में काम कर मेहनत की, अपनी कला निखारी।

विजय वर्मा कहते हैं- सिनेमा के साथ मेरा गहरा रोमांस रहा है।

## खुद को बचाने के लिए पुलिस वालों ने खूब किए खेल... दूसरी बार में हुए बेनकाब, झूठे मामले में जेल गए लालता

कार्यालय संवाददाता

**लखनऊ।** चार बेगुनाहों को फर्जी केस में फंसाने की मामले की जांच पीड़ित पक्ष की शिकायत पर एंटी करप्शन विभाग को ट्रांसफर हुई थी। जांच में पुलिसकर्मियों की कारस्तानी सामने आई। चार बेगुनाहों को फर्जी केस में फंसाने वाले आरोपी पुलिसकर्मियों ने खुद को बचाने के लिए खूब खेल किया था। पहली बार जब विवेचना एंटी करप्शन विभाग को ट्रांसफर हुई तो जुगाड़ लगाकर वापस कृष्णानगर थाने ट्रांसफर करवा ली थी। पीड़ित पक्ष ने शासन में शिकायत की तब दोबारा विवेचना एंटी करप्शन को सौंपी गई, जिसके बाद आरोपी बेनकाब हुए। पीड़ित लालता सिंह ने बताया कि जब केस दर्ज होने की जानकारी हुई तो पत्नी रंजना सिंह ने डीजीपी मुख्यालय स्थित लोक शिकायत प्रकोष्ठ में शिकायत की थी। शिकायत में उन्होंने बताया कि पुलिस ने झूठा केस लिखकर उनके पति व बेटों को आरोपी बनाया है। दावा किया कि पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से जी बिल फर्जी दिखाया है, यह बिल असली है। शिकायत के बाद बंधरा थाने में दर्ज चोरी के मामले की विवेचना एंटी करप्शन को दे दी गई। एंटी करप्शन की विवेचना में फर्जी केस की परतें खुलने लगीं। इस बीच आरोपियों ने जुगाड़ से जांच को एंटी करप्शन से वापस कृष्णानगर थाने ट्रांसफर करवा लिया था। कृष्णानगर पुलिस ने भी वर्ष 2022 में लालता सिंह व करल्लू गुप्ता को गिरफ्तार कर जेल भेजा और केस में चार्जशीट लगा दी। तब रंजना ने शासन स्तर पर शिकायत की। शासन ने केस एक बार फिर एंटी करप्शन के पास ट्रांसफर किया। इस बार आरोपी पुलिसकर्मियों का जुगाड़ नहीं चला और उन पर कार्रवाई की गई है। बड़ा सवाल... आखिर किसके साथ मिलकर किया खेल ? एंटी करप्शन की अब तक की जांच और एफआईआर से साफ है कि पुलिस वालों ने जानबूझकर फर्जी केस दर्ज किया था। अब तक ये सामने नहीं आया कि उसकी वजह क्या थी? एंटी करप्शन के जांच अधिकारी ने भी इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। पीड़ित की आशंका है कि चूंकि वह राजनीति से जुड़ा हुआ है, इसलिए किसी विरोधी ने पुलिस वालों के साथ मिलकर उसको फंसाया। एक पहलू ये भी हो सकता है कि किसी अन्य मामले में आरोपी पुलिस वालों ने डील कर उन्हें फंसाया हो। मुख्य साजिशकर्ता का बेनकाब होना बाकी है। पुलिस को उसका सुराग मिल चुका है। 20 दिन जेल में रहना पड़ा, पांच वर्ष तक लड़ी लड़ाई पीड़ित लालता सिंह व उनके अन्य साथी चोरी के झूठे मामले में 20 दिन तक जेल में रहे। जमानत कराकर जेल से बाहर आए। इसके बाद उन्होंने और उनकी पत्नी ने झूठे केस के खिलाफ शिकायत की और पैरवी शुरू की। पांच वर्ष तक लंबी लड़ाई लड़ी। तब जाकर उनको न्याय मिला है। उनका कहना है कि जब तक आरोपी पुलिस वालों को सजा नहीं मिल जाती, पूरा न्याय नहीं होगा। लालता सिंह बताते हैं कि 20 दिन उन्होंने रो-रोकर जेल में समय गुजारा। जमानत पर बाहर आने के बाद आरोपी उनके बेटों की गिरफ्तारी का दबाव बनाने लगे। जांच शुरू हुई तो झूठ सामने आने लगा। उन्होंने बताया कि उनके खिलाफ गांव में लड़ाई-झगड़े के पहले से कुछ छोटे केस दर्ज थे। पुराने मामलों को आधार बनाते हुए बंथरा पुलिस ने उनकी हिस्ट्रीशीट भी खोल दी थी। अब वह हिस्ट्रीशीट को निरस्त करने के प्रयास में लगे हैं। इन धाराओं में दर्ज हुआ केस.. इतनी है सजा आरोपी पुलिसकर्मियों पर आईपीसी की धारा 193 (झूठे साक्ष्य गढ़ना, सजा-सात वर्ष) और 201 (साक्ष्य से छेड़छाड़, सजा-सात वर्ष), 120बी (साजिश रचना, सजा-अपराध के आधार पर), 211 (झूठा आरोप लगाकर नुकसान पहुंचाना, सजा-सात वर्ष) 166 (लोक सेवक द्वारा जानबूझकर कानून का उल्लंघन करना, सजा-एक वर्ष) और 167 (लोक सेवक द्वारा फर्जी साध्य बनाना, सजा-तीन वर्ष) के तहत में केस दर्ज किया गया है। चूंकि मामला बोएनएस लागू होने के पहले का है इसलिए आईपीसी में केस दर्ज किया गया है।

### सूचना

यह सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वाद संख्या 146/2025 (बृजेन्द्र सिंह बनाम राजेश कुमार आदि)

वादी बृजेन्द्र सिंह द्वारा किया गया भूमि बंटवारा संबंधी वाद माननीय न्यायालय आयुक्त, अलीगढ़ द्वारा दिनाँक 27.10.2025 को खारिज किया जा चुका है। गाटा संख्या 3181, रकबा 0.749 हे0 तथा गाटा संख्या 3208, रकबा 0.575 हे0, कुल 02 किता (कुल रकबा 1.324 हे0), स्थित मौजा अलीगंज बाहर चुंगी, परगना आजमनगर, तहसील अलीगंज, जिला एटा, मेरी वैध एवं विधिपूर्वक स्वामित्व वाली संपत्ति है। अतः उक्त भूमि पर मेरे स्वामित्व/अधिकार की पुष्टि यथावत है।

अतः आम जनता को चेतावनी दी जाती है कि उपरोक्त गाटा संख्या से संबंधित कोई भी अनुबन्ध/बिक्री/लेन–देन मेरी स्पष्ट अनुमति के बिना पूर्णतः अवैध, अमान्य एवं निरस्त मानी जाएगी, तथा ऐसे किसी भी अनधिकृत क्रय–विक्रय पर क्रेता स्वयं उत्तरदायी होगा।

राजेश कुमार व अन्य
(भू–स्वामी)
निवासी –अगौनापुर, अलीगंज जिला एटा

# सामूहिक विवाह योजना में देरी पर डीएम सख्त, टेंडर प्रक्रिया सरल करने का निर्देश

## टेंडर में तेजी लाएं, लापरवाही बर्दाश्त नहीं डीएम का निर्देश

बलिया। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने सोमवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक कर मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की तैयारियों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने योजना की टेंडर प्रक्रिया में हो रही देरी पर कड़ी नाराज़गी जताई। जिलाधिकारी ने कहा कि अब तक केवल एक ही फर्म ने पूरी बीड प्रक्रिया पूरी की है, जो इस योजना की गंभीरता को देखते हुए उचित नहीं है। उन्होंने निर्देश दिया कि टेंडर प्रक्रिया की शर्तों को सरल और पारदर्शी बनाया जाए, ताकि अधिक से अधिक फर्म इसमें भाग ले सकें। उन्होंने संबंधित विभागों को सामग्री आपूर्ति और टेंट व्यवस्था के टेंडर को तत्काल प्रभाव से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही, पूरी प्रक्रिया को आसान बनाने पर जोर दिया, ताकि सामूहिक विवाह कार्यक्रम समय पर और सुचारू रूप से संपन्न कराया जा सके। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। योजना से जुड़े सभी कार्य तय समय सीमा में पूर्ण किए जाएं। साथ ही टेंडर प्रक्रिया जल्दी–जल्दी पूरी हो जिससे जल्द सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को शादी कराई जा सके। बैठक में वरिष्ठ कोषाधिकारी एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

# पुलिस ने लिव-इन पार्टनर को जेल जाने से बचाया, आईएएस के घर के बाहर मिली थी महिला की लाश, सीसीटीवी से आरोपी पकड़े

कार्यालय संवाददाता

**लखनऊ।** गोमती नगर में रिटायर्ड आईएएस के घर के बाहर मिली महिला की लाश की पुलिस ने गुत्थी सुलझाकर 1 निर्दोष को जेल जाने से बचा लिया है। पुलिस ने 200 सीसीटीवी कैमरे और 1000 मोबाइल नंबरों को खंगाल-कर यह सफलता पाई है। इन्हीं साक्ष्यों के आधार पर 2 आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेजा है। लाश की शिनाख्त के बाद महिला के भाई ने लिव-इन पार्टनर पर हत्या करने का आरोप लगाया था। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की। इलेक्ट्रॉनिक एवीडेंस खंगाले, तो उसके खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला। इस पर पुलिस ने अन्य एंगल पर जांच शुरू की। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस की मदद से आरोपियों तक पहुंची। दीवार से सटाकर रखा था शव लखनऊ के गोमतीनगर में 1 दिसंबर को रिटायर्ड कब्र के घर के बाहर 37 वर्षीय महिला की लाश मिली। लाश सड़क के किनारे नाली पर रखकर दीवार से सटाकर रखी गई थी, जिससे देखने में लग रहा था कि महिला बैठी है। राहगीरों को घंटों तक यही लगा कि कोई महिला बैठी है। सुबह करीब 9 बजे तक वहां से नहीं हिली, तो लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लाश को कब्जे में ले लिया। उसकी पहचान की कोशिश की। रात करीब 8 बजे महिला की पहचान हुई। वह अलीगंज सेक्टर-इ की रहने वाली थी। भाई ने लिव-इन पार्टनर पर लगाया हत्या का आरोप पहचान करने के बाद महिला के भाई ने निशातगंज में रहने वाले उसके लिव-इन पार्टनर पर हत्या करने का आरोप लगाया। इसे सच साबित करने के लिए उसने पुलिस को गुमराह किया। पुलिस को बताया कि 30 नवंबर और 1 दिसंबर की रात करीब 1 बजे बहन के लिव-इन पार्टनर ने बड़ी बहन को फोन किया था। लिव-इन पार्टनर ने फोन पर कहा था कि 'तुम्हारी बहन बिना बताए कहीं चली गई है, जाकर उसे ढूंढो।' लिव-इन पार्टनर के खिलाफ नहीं मिले साक्ष्य महिला के बहन के ऊपर हत्या का आरोप लगने के बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। उससे पूछताछ की। उसने बताया कि शनिवार को वह आखिरी बार महिला से मिला था। उसके बाद उसकी न तो मुलाकात हुई और न ही बातचीत। पुलिस ने उससे मृतका की बड़ी बहन को उसके लापता होने की जानकारी देने के लिए फोन करने की बात पूछी, तो उसने कहा- मैंने कोई फोन नहीं किया। इस पर पुलिस ने उसके मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल निकाली। इससे साफ हो गया कि उसने मृतका की बड़ी बहन को फोन नहीं किया था। उसका भाई झूठ बोल रहा था। पुलिस को मृतका के लिव-इन पार्टनर के खिलाफ सीसीटीवी फुटेज, लोकेशन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक एवीडेंस भी नहीं मिले। इससे साफ हो गया कि महिला की हत्या लिव-इन पार्टनर ने नहीं की है। इसमें किसी अन्य का हाथ है। घटना स्थल के आसपास खंगाला सीसीटीवी तो मिला सुराग लिव-इन पार्टनर के खिलाफ साक्ष्य नहीं मिलने पर पुलिस ने अन्य एंगल से जांच शुरू की। घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला, तो 1 दिसंबर की रात 3 बजे ई-रिक्शा सवार 2 संदिग्ध युवक दिखे। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से ही उनका पीछा किया। ऐसा करने के लिए 200 सीसीटीवी कैमरे खंगाले। गोमतीनगर रेलवे स्टेशन शराब के ठेके पास महिला और ई-रिक्शा सवार की अहम फुटेज मिली। इस पर पुलिस ने घटना स्थल से लेकर गोमतीनगर रेलवे स्टेशन तक घटना के समय सक्रिय मोबाइल नंबरों को खंगाला। इस पर 2 आरोपियों का डेटा मिला। इसके आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों को 3 दिसंबर को गिरफ्तार कर लिया। उनकी पहचान कानपुर निवासी देवेंद्र सिंह और गोमती नगर विशाल खंड-2 निवासी सूरज पाल के रूप में हुई। 1 आरोपी को रास्ते में मिली थी महिला आरोपी देवेंद्र ने पुलिस को बताया- 30 नवंबर की रात 8 बजे अपने ई-रिक्शा से नवाब पुरवा ठेके पर शराब लेने गया था। गोमतीनगर डाटा रेलवे स्टेशन के पास मृतका ने हाथ देकर रोका और ई रिक्शा में बैठ गई। रास्ते में मैंने उससे सेक्स करने की बात कही। महिला ने कहा कि शराब पिलाओगे, तो साथ चलूंगी। मैंने यह बात अपने दोस्त सूरज को फोन करके बताई। उसने कहा कि ठीक है। महिला को घर ले आओ। मैं महिला को विशाल खंड-2 पानी की टंकी के पास सूरज की झोपड़ी में ले गया। वहां हम तीनों ने बैठकर शराब पी। फिर हम दोनों ने उसके साथ सेक्स किया। महिला के पैसा मांगने पर हुआ विवाद देवेंद्र ने पुलिस को बताया- सेक्स करने के बाद वह पैसे मांगने लगी। हम लोगों की पैसों के लेनदेन की कोई बात ही नहीं हुई थी। इस वजह से हमने मना कर दिया। इस पर उसने हंगामा शुरू कर दिया। कहने लगी की पुलिस बुला लेगी। आसपास पॉश रिहायशी इलाका होने के कारण हम लोग उसे शांत करवाने लगे, लेकिन वह नहीं मानी। गुस्से में हम दोनों ने महिला को धक्का दे दिया, जिससे उसका सिर पीछे रखे तख्ते के कोने से लड़ गया। वह बेहोश हो गई। काफी देर तक नहीं उठी। नशा अधिक होने के कारण हम दोनों ने भी ज्यादा ध्यान नहीं दिया। रात करीब 3 बजे नशा कम हुआ, तो महिला को बेहोश देखकर डर गए। महिला को ई-रिक्शा में महिला को डालकर करीब 200 मीटर दूर एक जगह पर बैठा दिया। हमें लगा कि जब होश आएगा तब वह घर चली जाएगी। सुबह उसकी मौत की खबर से हम लोग घबराकर फरार हो गए। मृतका के परिवार में चार भाई-बहन और मां हैं। पिता की कोरोना काल में मौत हो गई थी। वह सरकारी विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी थे। पिता की नौकरी भाई को मिल गई है। मृतका ने 12वीं तक पढ़ाई की थी। इसके बाद निजी काम कर लेती थी। परिजनों का कहना है कि निशातगंज में रहने वाले मृतका के लिव-इन पार्टनर ने उसकी जिंदगी खराब की थी। उसकी के संपर्क में आने के बाद उसने घरवालों का कहना मानना भी बंद कर दिया था। पूछने पर कहती थी कि उससे शादी कर ली है। करीब 8 माह पहले मामला थाने तक भी गया था, लेकिन महिला ने पुलिस से कह दिया था कि दोनों ने शादी कर ली है। इस वजह से कोई कार्रवाई नहीं हुई थी।

# क्लास-6 के छात्र की हार्ट अटैक से मौत:कॉलेज में एग्जाम देते समय बिगड़ी तबीयत; अस्पताल पहुंचने से पहले दम तोड़ा

कार्यालय संवाददाता

**लखनऊ।** छठी क्लास के एक छात्र की शुक्रवार सुबह हार्ट अटैक से मौत हो गई। वह महानगर स्थित मोंट फोर्ट इंटर कॉलेज का छात्र था। जानकारी के मुताबिक, छात्र अमेश सिंह उर्फ आरव कॉलेज में एग्जाम दे रहा था। तभी उसकी अचानक तबीयत बिगड़ गई। वह बेहोश होकर अपनी सीट से गिर गया। कॉलेज के टीचर उसे भाऊराव देवरस सिविल अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने काफी देर तक उसे सीपीआर दिया। लेकिन आरव की बॉडी में कोई हरकत नहीं हुई। इसके बाद डॉक्टरों ने उसे 'ब्रॉट डेड' डिक्लेयर कर दिया। यानी अस्पताल पहुंचने से पहले छात्र की मौत हो चुकी थी। डेथ ऑडिट के बाद ही असल कारण पता चल पाएगा बीआरडी अस्पताल महानगर के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रंजीत दीक्षित ने बताया- 11 बजकर 5 मिनट पर अचेत अवस्था में आरव नाम के बच्चे को लाया गया था। इमरजेंसी के डॉक्टरों ने काफी प्रयास किया पर सफलता नहीं मिली। बाद में उसे ब्रॉट डेड डिक्लेयर कर दिया गया। मौके पर बच्चों के पिता जानकीपुरम निवासी संदीप सिंह भी पहुंचे थे। अचानक हुई इस घटना से सभी बेहद आहत हैं। मौत का असल कारण डेथ ऑडिट के बाद ही पता चल पाएगा।

# बलिया–संसदीय अध्ययन समिति की समीक्षा बैठक में विभागों की कार्यप्रगति पर मंथन

## जनसमस्याओं के निस्तारण में तेजी लाएँ–माद्र सभापति ने अधिकारियों को दिए निर्देश

बलिया– उत्तर प्रदेश विधान परिषद की संसदीय अध्ययन समिति की अध्यक्षता करते हुए मा० सभापति श्री किरण पाल कश्यप ने शुक्रवार को विकास भवन सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक की शुरुआत सभी अधिकारियों के परिचय के साथ हुई। इस अवसर पर जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने मा० सभापति को पुष्प गुच्छ, साल एवं स्मृति चिन्ह देखकर सम्मानित किया गया। बैठक में वर्तमान सरकार के गठन से अब तकजनप्रतिनिधियों से प्राप्त पत्रों पर विभागवार की गई कार्यवाही की विस्तार से समीक्षा की गई। पुलिस विभाग, राजस्व विभाग, मुख्य चिकित्साधिकारी, पंचायती राज, सिंचाई, बेसिक शिक्षा, विद्युत, कृषि, पूर्ति, पशुपालन विभाग, चकबंदी आदि विभागों द्वारा प्राप्त अधिकांश आवेदन पत्रों का निस्तारण कर लिया गया है। हालांकि कुछ विभागों को संबंधित निस्तारणों की जानकारी समिति को उपलब्ध न कराने पर निर्देशित किया गया कि तत्काल समिति को अवगत कराएं। माध्यमिक शिक्षा विभाग के तीन आवेदन पत्र अब तक लंबित पाए गए, जिनके तत्काल निस्तारण के कड़े निर्देश दिए गए। विद्युत विभाग सरकार द्वारा चलाई जा रही विद्युत बिलों में छूट योजना का व्यापक प्रचार–प्रसार लाउडस्पीकर के माध्यम से कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही जिला समाज कल्याण विभाग से अनुसूचित जाति/जनजाति छात्रवृत्ति की स्थिति के बारे में जानकारी ली गई। वहीं पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने बताया कि जिले के 61,000 छात्र–छात्राओं को छात्रवृत्ति का लाभ प्रदान किया जा चुका है। मा०सभापति ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि प्राप्त आवेदन पत्रों का निस्तारण समय सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए तथा समिति को नियमित रूप से अवगत कराया जाए। साथ ही आगामी बैठक में सभी विभागों को पूरी तैयारी के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिए गए। बैठक में समिति सदस्य हंसराज विश्वकर्मा, अनु सचिव एवं समिति अधिकारी विनोद कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह, सीडीओ ओजस्वी राज, अपर निजी सचिव अमितेश पाल, प्रतिवेदन अधिकारी राम प्रकाश पाल, समीक्षा अधिकारी सौरभ दीक्षित, सीआरओ त्रिभुवन, सिटी मजिस्ट्रेट आसाराम शर्मा सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

# बलिया–जे.एन.सी.यू. में समाजशास्त्र विभाग द्वारा हस्त कला एवं कौशल प्रदर्शनी का आयोजन

बलिया–उत्तर प्रदेश सरकार के महत्वकांक्षी परियोजना मिशन शक्ति चरण–5.0 के अंतर्गत जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर संजीत कुमार गुप्ता के दिशानिर्देश में सामाजशास्त्र विभाग द्वारा 'हस्त कला एवं कौशल प्रदर्शनीश का आयोजन आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी भवन में किया गया इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य गृहणियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना, जिसमें समाजशास्त्र विभाग के परास्नातक के विद्यार्थियों ने घर के वेस्टेज सामान से उपयोगी वस्तुओं को तैयार कर उसका प्रदर्शन किया जो कि महिलाओं को कौशल दक्षता प्रदान करेंगी जिससे वो आर्थिक रूप से सबल हो सकेंगी। इस प्रदर्शनी में एम ए समाजशास्त्र की छात्रा नीना यादव ने मिशन शक्ति के तहत भारत के मानचित्र पर देश की सशक्त महिलाओं के चित्र से एक सुंदर प्रदर्शनी तैयार किया तथा समाजशास्त्र विभाग के और छात्र छात्राओं सपना , सोनी, प्रिया, अभिनंदना ,संदीप ,पिंटू ,अवधेश, कमलेश ,भरत आदि ने अपने अपने चित्र प्रदर्शनी के तहत समाज में महिला सशक्तिकरण का एक नया संदेश दिया तथा विभाग की छात्राओं ने घर के चीजों के प्रयोग से अपने हस्त कला का प्रदर्शन किया जिसमेंममता ,सुरभि ,रोशनी ,सुषमा, सुनीता ,रचना ,अदिति ने वॉल पोस्टर हैंगिंग्स ,बुके ,कप , घर का मॉडल आदि वस्तुएं बना कर अपनी हस्त कला का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का सफल आयोजन समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ०प्रियंका सिंह के निर्देशन में हुआ,स्वागत भाषण डॉ अभिषेक त्रिपाठी,धन्यवाद ज्ञापन डॉ विवेक कुमार यादव एवं संचालन एम०ए०तृतीय सेमेस्टर की छात्रा नीना यादव ने किया

# जिलाधिकारी ने बूथवार एचडी वोटर्स की सूची दिनांक–11–दिसंबर–को सभी राजनैतिक दलों को उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

बलिया–विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले की सात विधानसभा सीटें– 357–बेल्थरारोड–358–रसड़ा––359–सिकंदरपुर–360–फेफना–36–बलिया, नगर–362–बांसडीह और –363–बैरिया के प्रतिनिधि शामिल हुए जिलाधिकारी ने राजनीतिक दलों को बताया कि गणना प्रपत्र (एन्यूमरेशन फॉर्म) की अंतिम तिथि–04–दिसंबर निर्धारित थी, जिसे भारत निर्वाचन आयोग ने बढ़ाकर अब–11–दिसंबर कर दिया है। इसके साथ ही प्राथमिक प्रकाशन की तिथि –16–दिसंबर तय की गई है। दावा/आपत्तियों की तिथि–16–दिसंबर से –15–जनवरी तक रखी गई है। जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार नोटिस फेज़ (जारी करना, सुनवाई और सत्यापन)तथा एन्यूमरेशन फॉर्म पर निर्णय और दावे/आपत्तियों का निपटारा म्ते द्वारा एक साथ–16–दिसंबर से–07– फरवरी–2026–तक किया जाएगा। इसके बाद इलेक्टोरल रोल के हेल्थ पैरामीटर की जांच और अंतिम प्रकाशन के लिए आयोग से अनुमति लेने की प्रक्रिया–10 फरवरी–2026– तक पूरी की जाएगी फाइनल इलेक्टोरल रोल–14–फरवरी–2026– को प्रकाशित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले में वर्तमान में 03–लाख–80–हजार एच०डी०वोटर्स हैं संबंधित सूची को बूथवार और विधान सभावार सभी राजनीतिक दलों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए बैठक में एडीएम अनिल कुमार, अख्तर सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

# बलिया–डी.एम.ने चकबंदी कार्यालय का किया औचक निरीक्षण,गंदगी और अव्यवस्थाओं पर दिखाई सख्ती'

बलिया–जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने गुरुवार को बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी (अतिरिक्त) कार्यालय का औचक निरीक्षण कर विभागीय लापरवाही पर कड़ी नाराजगी जताई। निरीक्षण के दौरान कार्यालय परिसर में गंदगी और अव्यवस्था पाए जाने पर डीएम ने चकबंदी अधिकारी को फटकार लगाई और तत्काल सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराने का निर्देश दिया कार्यालय में लंबे समय से रखे खराब व अनुपयोगी सामान पर जिलाधिकारी ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि इन सामानों की तुरंत नीलामी की प्रक्रिया शुरू की जाए इसके साथ ही कार्यालय के सामने रखी गई दुकानों को हटाने और परिसर की बाउंड्री बनाकर गेट लगाने के भी निर्देश दिए निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी जल निगम की टंकी पर भी पहुंचे। यहां सफाई व्यवस्था बेहद खराब मिली और परिसर में मौजूद आवास में कुछ व्यक्तियों के रहने की जानकारी सामने आई। इस पर जिलाधिकारी ने पूछा कि आवास में रहने वाले लोग किसे किराया दे रहे हैं, इसकी पूरी रिपोर्ट तैयार कर उपलब्ध कराई जाए। साथ ही जल निगम की टंकी की बाउंड्री की सीलिंग संबंधी विवरण भी अधिकारियों से मांगा उन्होंने कहा कि सरकारी संपत्तियों के दुरुपयोग और कार्यालयों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डॉ. शक्ति सिंह साधू (प्रधान सम्पादक), डॉ. प्रवीण (प्रबंध सम्पादक), एडवोकेट शैलेन्द्र श्रीवास्तव (कानूनी सलाहकार), राकेश अग्रवाल (जिला ब्यूरो उत्तर प्रदेश) अब्दुल नासिर स्टेट ब्यूरो उत्तर प्रदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति सिंह द्वारा राज तरूण आफसेट, एल0जी0एफ0 5–14, अंसल सिटी सेंटर, हजरतगंज, लखनऊ– 226001 से मुद्रित तथा 486/238–डी, डालीगंज, निरालानगर, जनपद लखनऊ–226020 से प्रकाशित।

**सम्पादक– शक्ति सिंह मो0 7052608007** नोटः समाचार पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।